लिए क्या विदेश मंत्री जी इस सदन को आश्वासन देंगे कि आज के बाद वे अपने आप को सेक्योर, सुरक्षित महसूस करेंगे और यह भी बताने की कृपा करेंगे कि देश के अन्दर और देश के बाहर जो ये अप्रिय घटनाएं एक साथ हो रही हैं, इन में आपस में कोई तारतम्य या सम्बन्ध है ? इस के बारे में भी मंत्री महोदय सदन को बताएं ।

श्री समरेन्द्र कुन्डू : मैं हिन्दी में बोलूंगा । मैं बहुत खुश हूं कि पासवान साहब नें एक बहुत महत्वपूर्ण बात यहां पर रखी । पासवान साहब ने यह विचार भी रखा है कि बाहर जो घटनाएं होती हैं और उस के साथ ही यहां देश में जो हिन्सा वादित घटनाएं होती हैं, उन का एक दूसरे के साथ सम्बन्ध है और इस सम्बन्ध में उन्होंने कुछ दलीलें भी दीं ।

He referred to some incidents.

इस बारे में तो मैं यही कहूंगा कि अभी यहां कोई विचार देना ठीक नहीं होगा ।

एक सवाल उन्होंने यह भी पूछा कि हमारे आफिसर्स के अन्दर जो इन्सेक्यूरिटी की भावना हो रही है, उन में इनसेक्यूरिटी की भावना न रहे, इस को ऐश्योर करने के लिए हम क्या कदम उठाते हैं । मैं तो बधाई देता हूं उन अफसर लोगों को जिन्होंने मुश्किल वातावरण में और बहुत निष्ठा के साथ, देश-भक्ति के साथ काम किया है और करते हैं और हम उन की सेक्यूरिटी के लिए हर कदम उठाते हैं और उन को आश्वासन दिया है कि केवल सरकार ही नहीं बल्कि सारा देश, पार्लियामेंट उन के पीछे हैं । उन के लिए हम ने सेक्यूरिटी गार्ड रखे हैं और कुछ ज्यादा पैसे भी मंजूर किये हैं उन के लिए कुछ इक्विपमेंट्स के लिए और दीवार आदि बढ़ाने के लिए । उन के लिए हम ने इस तरह की व्यवस्था की है और हम ने यह भी किया है कि जो इन्वेस्टीगेटिंग एजेन्सीज वहां पर हैं, उन के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध रखें और इस सम्पर्क रखने का लाभ भी हुआ है और कुछ आदमी भी पकड़े गये हैं ।

मैं मान्यवर यह सूचना देना चाहता हूं कि हम जो संभव है वह करेंगे । मैं आफिसर्स को भी विश्वास देना चाहता हूं कि वह हिम्मत से काम करें और आगे बढ़ें ।

दूसरी बात जो कही गयी है कि इसका होम मिनिस्ट्री से कोई सम्बन्ध है या नहीं । मुझे ऐसा लगता है कि होम मिनिस्ट्री भी इस पर जरूर विचार करती होगी । हम होम मिनिस्टर से मिल कर भी इस पर चर्चा करेंगे और आज की जो हाउस की प्रोसीडिंग्स है, वह मैं गृह विभाग को भी भेज दूंगा ।

13.16 hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

SEVENTH-FOURTH AND SEVENTY-SIXTH REPORTS

SHRI C. M. STEPHEN (Idukki): I beg to present the following Reports of the Public Accounts Committee:—

(1) Seventy-fourth Report on paragraph 15 of the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1975-76, Union Government (Railways) relating to Track Fittings.

(2) Seventy-sixth Report on paragraphs 9, 10 (i) and 17 of the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1975-76, Union Government (Civil), Revenue Receipts, Volume I, Indirect Taxes relating to Customs Receipts.

ESTIMATES COMMITTEE

EIGHTEENTH REPORT AND MINUTES

SHRI SATYENDRA NARAYAN SINHA (Aurangabad): I beg to present the following Report and Minutes of the Estimates Committee:

(1) Eighteenth Report on the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division)—Extension of Credit Facilities to Weaker Sections of Society and for Development of Backward Areas.

(2) Minutes of the sittings of the Committee relating to the above Report.

13.17 hrs.

STATEMENT RE. RENAMING OF TWO HOSPITALS IN DELHI

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : श्रीमन्, देश की आजादी से पहले स्थापित हुए अस्पतालों में से कई एक का नामकरण वाइसरायों और अन्य उच्च पदासीन ब्रिटिश अधिकारियों या उनकी पत्नियों के नाम पर किया जाता था। नई दिल्ली में भी विलिंगडन अस्पताल और नर्सिंग होम तथा लेडी हार्डिंग अस्पताल दो अस्पताल हैं जिनका नामकरण इसी आधार पर किया गया था।

समय की मांग को देखते हुए यह उचित लगता है कि इन संस्थाओं का नाम फिर से किन्हीं प्रसिद्ध भारतियों के नाम पर रखा जाए।

डा० राम मनोहर लोहिया उन सुप्रसिद्ध नेताओं में से थे जिन्होंने देश की राजनीतिक विचारधारा में एक क्रान्ति ला दी थी। उनका निधन 1967 में विलिंगडन अस्पताल में हुआ था। अतः विलिंगडन अस्पताल का नाम डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल और उपचर्या गृह रखने का निर्णय किया गया है।

श्रीमती सुचेता कृपलानी ने सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में राष्ट्र की असाधारण सेवा की है और वे उन कुछेक सुप्रसिद्ध महिलाओं में से एक थीं जिन्होंने अपने समय में देश के सार्वजनिक जीवन में उच्चतम स्थान प्राप्त किया। लेडी हार्डिंग अस्पताल का नामकरण सुचेता कृपलानी अस्पताल करने का निर्णय किया गया है।

श्री मनीराम बागड़ी (मथुरा) : अध्यक्ष जी, मंत्री जी को इसके लिए बधाई तो है ही लेकिन मैं एक बात जरूर कहूंगा कि यह मामूली बात नहीं है। नाम परिवर्तन से भारत के इतिहास और संस्कृति का चक्र जुड़ता है। क्या मंत्री जी इसके साथ सारे राष्ट्र की आकांक्षाओं को भी जोड़ेंगे और विदेशी शाहों और तानाशाहों के कलंक को स्वतंत्र भारत के माथे से बिल्कुल धो देंगे? मंत्री जी ने इसको मिटाने का अपने मंत्रालय में तो प्रयत्न किया है। क्या वे दूसरे मंत्रालयों से भी इस दिशा में आगे बढ़ने को कहेंगे और राष्ट्र में जहां भी विदेशी मूर्तियां हैं उनको वहां से हटवा कर डा० लोहिया जैसे राष्ट्रीय नेताओं की मूर्तियां वहां स्थापित करायेंगे? डा० लोहिया ने देश के लिए जैसी कुर्बानी की है, वह सारा राष्ट्र जानता है। ऐसे ही जो भी दूसरे नेता हैं उनका भी आदर सत्कार हो और उनके नाम पर भी नामकरण हो।

श्री शंकर देव (बीदर) : अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय मंत्री जी ने दिल्ली के दो अस्पतालों के नाम परिवर्तन करने के बारे में वक्तव्य दिया। मैं इस सम्बन्ध में कहना चाहता हूं कि दिल्ली एक कास्मोपोलिटन और इन्टरनेशनल सिटी है और यहां बहुत से विदेशी भी रहते हैं। आज जब कि विश्व एकता की ओर जा रहा है, सारा संसार एक हो रहा है तो ऐसे समय में संस्थाओं के नामों से विदेशियों का नाम हटाना कहां तक उचित होगा। जब हम विश्व-बंधुत्व की तरफ जा रहे हैं ताकि दुनिया स्थिर रह सके तो ऐसे समय में क्या यह अन्ध राष्ट्र-भक्ति नहीं होगी? (**व्यवधान**)

PROF. P. G. MAVALANKAR (Gandhinagar): Sir, I do not want